IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences and Engineering

(SASE)

Organized

NATIONAL WEBINAR

December 18, 2020

Indian Agriculture: From Green Revolution to Evergreen Revolution

A national webinar was organized by School of Agricultural Sciences and Engineering (SASE) on the topic- "**Indian Agriculture: From Green Revolution to Evergreen Revolution". Dr. Rauf Ahmad Parray, Scientist, ICAR-IARI, New Delhi** was the invited speaker of the event. Dr. Parray has given a fruitful lecture on the impact of green revolution on agriculture and to convert it into evergreen revolution so that holistic

Registrar
IFTM University
Moradabad.

development can be achieved in agriculture. Honorable Vice Chancellor Prof. M.P. Pandey stated that it is very important to revolutionize the agriculture sector in every aspect, and then only we can achieve the goal of obtaining food security. Registrar, Prof. Sanjeev Agarwal said that overall agricultural development will also bring prosperity to the farmers. He also appreciated the speaker and efforts of SASE in organizing this event.

Outcome

Students will be able to understand that why there was a need to shift from green revolution to evergreen revolution and how it became possible?

Few Glimpses

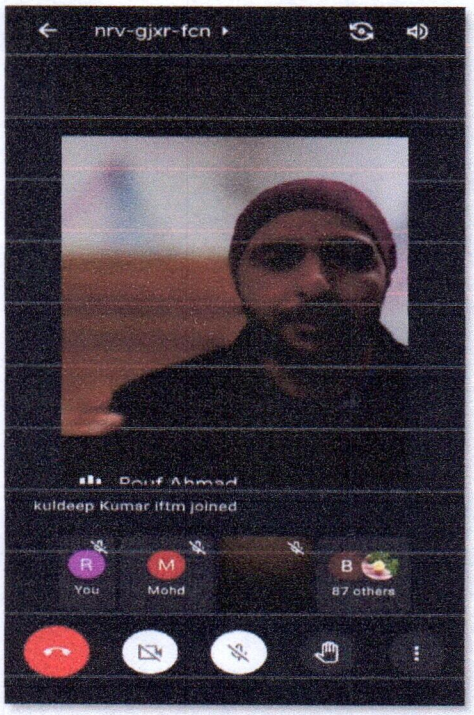

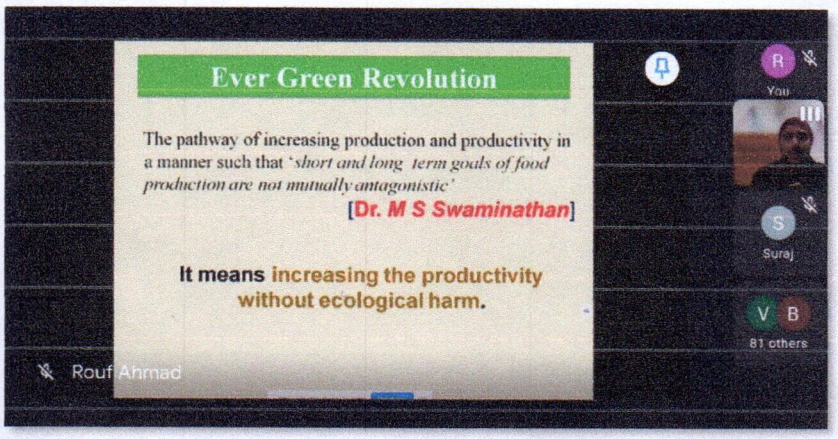

Sanjeev Agarwal
Registrar
IFTM University
Moradabad.

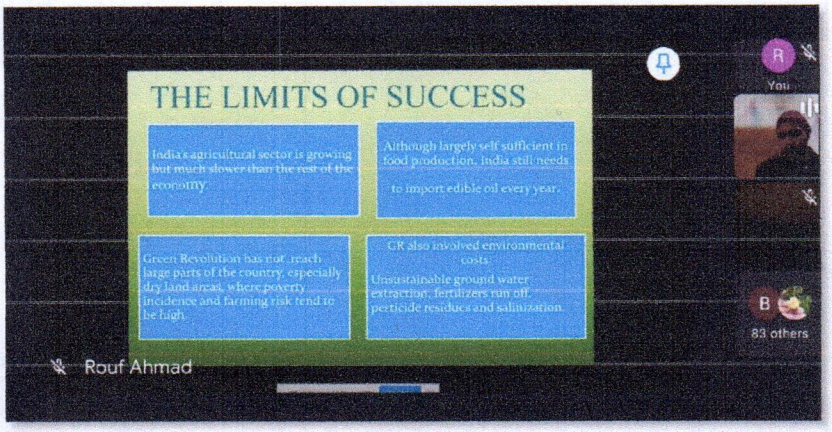

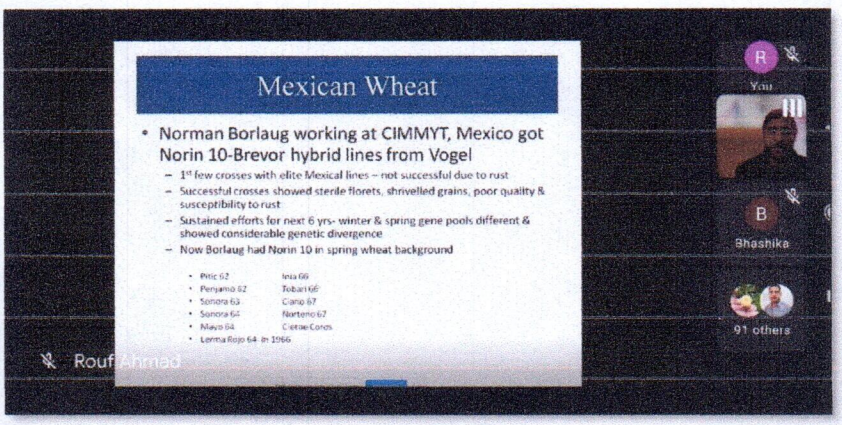

News Coverage

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद, मंगलवार, 22 दिसम्बर 2020

आईएफटीएम में हरित क्रांति के साथ सदाबहार क्रांति की आवश्यकता क्यों? विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। भारत एक कृषि प्रधान देश है, देश की लगभग 58 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। बढ़ती जनसंख्या और वातावरण में हो रहे विभिन्न बदलाव की वजह से हरित क्रांति के साथ-साथ सदाबहार क्रांति की भी आवश्यकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एवं इंजीनियरिंग द्वारा 'हरित क्रांति के साथ सदाबहार क्रांति की ओर' की आवश्यकता पर वेबिनार का आयोजन कराया गया। आई.सी.ए.आर.-आई.ए.आर.आई. के वैज्ञानिक डॉ0 रफीक अहमद पैर ने वेबिनार के मुख्य वक्ता के रूप में हरित क्रांति के साथ-साथ सदाबहार क्रांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज की खेती उन्नत तकनीक, वृहद सिंचाई परियोजना, उन्नत बीजों व उर्वरक के प्रयोग पर निर्भर है, जो कि हरित क्रांति द्वारा ही संभव हो पाया है। यह हरित क्रांति का ही परिणाम है कि भारत खाद्यान्नों के क्षेत्र में पूर्णतया आत्मनिर्भर बन गया है, किन्तु घटते जलस्तर, जल एवं वायु प्रदूषण तथा भूमि की सकुचता की समस्या को देखते हुए आज सदाबहार क्रांति की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी बताया कि हमें ऐसी नई तकनीकों अपनानी चाहिए जिससे वातावरण को क्षति न पहुंचे तथा उपलब्ध संसाधनों की सहायता से हम अधिक से अधिक उत्पादन ले सकें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री संजीव अग्रवाल ने वेबिनार आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए बधाई दी व कहा कि कृषि विकास में नवीनतम तकनीकों के प्रचार एवं प्रसार हेतु हमें ऐसे वेबिनार कराने की आवश्यकता है। उन्होंने कृषि संबंधित नवीनतम जानकारी हेतु आगे भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के निदेशक डॉ0 वीरेंद्र सिंह ने मुख्य वक्ता एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। स्कूल के अपर निदेशक श्री के.के. वर्मन ने जानकारी देते हुए बताया कि वेबिनार में 143 शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु स्कूल के विभागाध्यक्ष डॉ0 कृष्णपाल का विशेष योगदान रहा। वेबिनार के समन्वयक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 रमेश पाल ने मुख्य वक्ता एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार प्रकट किया। वेबिनार की आयोजन सचिव असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती रिचा खन्ना ने कार्यक्रम का आयोजन किया तथा कार्यक्रम के सह समन्वयक असिस्टेंट प्रोफेसर श्री अभय सैनी ने तकनीकी सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

Sanjeev Agrawal
Registrar
IFTM University
Moradabad.

मुरादाबाद, 8 मंगलवार, 22 दिसम्बर 2020

आईएफटीएम में हुआ वेबिनार

मुरादाबाद (वि)। भारत एक कृषि प्रधान देश है, देश की लगभग 58 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। बढ़ती जनसंख्या और वातावरण में हो रहे विभिन्न बदलाव की वजह से हरित क्रांति के साथ-साथ सदाबहार क्रांति की भी आवश्यकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एवं इंजीनियरिंग द्वारा 'हरित क्रांति के साथ सदाबहार क्रांति की ओर' की आवश्यकता पर वेबिनार का आयोजन कराया गया। आई.सी.ए.आर.-आई.ए.आर.आई. के वैज्ञानिक डॉ0 रफीक अहमद पैरे ने वेबिनार के मुख्य वक्ता के रूप में हरित क्रांति के साथ-साथ सदाबहार क्रांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज की खेती उन्नत तकनीक, वृहद सिंचाई परियोजना, उन्नत बीजों व उर्वरक के प्रयोग पर निर्भर है, जो कि हरित क्रांति द्वारा ही सम्भव हो पाया है। यह हरित क्रांति का ही परिणाम है कि भारत खाद्यान्नों के क्षेत्र में पूर्णतया आत्मनिर्भर बन गया है, किन्तु घटते जलस्तर, जल एवं वायु प्रदूषण तथा भूमि की संकुचता की समस्या को देखते हुए आज सदाबहार क्रांति की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी बताया कि हमें ऐसी नई तकनीकी अपनानी चाहिए जिससे वातावरण को क्षति न पहुंचे तथा उपलब्ध संसाधनों की सक्षमता से हम अधिक से अधिक उत्पादन ले सकें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव संजीव अग्रवाल ने वेबिनार आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए बधाई दी व कहा कि कृषि विकास में नवीनतम तकनीकी के प्रचार एवं प्रसार हेतु हमें ऐसे वेबिनार कराने की आवश्यकता है। उन्होंने कृषि संबंधित नवीनतम जानकारी हेतु आगे भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के निदेशक डॉ0 वीरेंद्र सिंह ने मुख्य वक्ता एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। स्कूल के अपर निदेशक के.के. बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि वेबिनार में 143 शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु स्कूल के विभागाध्यक्ष डॉ0 कृष्णपाल का विशेष योगदान रहा। वेबिनार के समन्वयक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 रमेश पाल ने मुख्य वक्ता एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार प्रकट किया। वेबिनार की आयोजन सचिव असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती रिचा खन्ना ने कार्यक्रम का आयोजन किया तथा कार्यक्रम के सह-समन्वयक असिस्टेंट प्रोफेसर अमन सैनी ने तकनीकी सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

Sanjeev Agrawal
Registrar
IFTM University
Moradabad.